B-384
L- 31
Environment

Environmental Impact Assessment (EIA)

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

इसे एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है जो विकास प्रस्तावों के जैव-भौतिक, सामाजिक एवं अन्य प्रासंगिक प्रभावों की पहचान, पूर्वानुमान, मूल्यांकन और शमन करती है इससे पहले कि प्रमुख निर्णय लिए जाएं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

EIA का औचित्य →

① सतत विकास
② सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा
③ प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन
④ पर्यावरणीय नियम-कानून का अनुपालन

⇨ 1994- पहली EIA अधिसूचना
⇨ 2006 - संशोधित EIA अधिसूचना
⇨ २०२०, २०२२ – नवीनतम संशोधन

कानूनी प्रावधान →

↓

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम

- विशिष्ट परियोजनाओं के लिए अनिवार्य
  - ↓ 30 से अधिक श्रेणियां

जल विद्युत परियोजनाओं की श्रेणी (2015 के पूर्व) :-

- 25 MW से कम क्षमता
  - ↓ स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के रूप में स्वीकृत
- 25 MW से अधिक क्षमता
  - ↳ परंपरागत ऊर्जा स्रोत के रूप में देखे गये।
  - ↳ इन परियोजनाओं को स्थापित करने के पर्यावरणीय प्रभाव अपेक्षाकृत गंभीर होते हैं।

2015 के बाद सभी प्रकार की जलविद्युत परियोजनाओं को स्वच्छ ऊर्जा स्रोत के

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

रूप में मान्यता दे दी गयी है।

कानूनी प्रावधान →

- पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण
  ↓
  EIA Report की समीक्षा व मंजूरी
  ↳ केन्द्र व राज्य स्तर पर गठित

प्रदूषण

वायु प्रदूषण →

→ Particulate M. − 2.5 (माइक्रो मीटर या कम)

$\mu m = \frac{1}{10^6}$

→ PM − 10

- फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी
- साँस संबंधी समस्या
- अल्पायु

→ नाइट्रोजन ऑक्साइड + वॉलेटाइल ऑर्गेनिक कम्पाउण्ड = ओजोन

→ सल्फर ऑक्साइड

→ कार्बन मोनो ऑक्साइड।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR